FISTULA, Diabetes Mellitus & Psoriasis — 20/5/07

Mrs. Rashmi Butkar, ([redacted])

मुझे 1997 में फिस्तुला (Fistula) हुआ था, उस समय मेरी ऑपरेशन हुई थी। उसके बाद मैंने होमिओपथी की दवा की थी। एक साल के बाद मैंने ~~बंद~~ दवा बंद करी थी। उसके बाद दिसम्बर 2005 को फिरसे मुझे फिस्तुला हुआ और दूसरे डाक्टरसे (~~पहले~~) ॲलोपॅथी की दवा ली और उसके बाद मुझे फिरसे ऑपरेशन करने के लिये कहा था। जो कि, मैं ऑपरेशन करवाना नहीं चाहती थी। मेरी सहेली श्रीमती पुनम इराणी ने मुझे एक दिन इस बीमारी के लिये डॉ. सुनिल मेहरा के नाम बता कर उनके पास जाने के लिये कहा।

मै 10 अप्रैल, 2006 को डॉ. सुनिल मेहरा के पास फिस्तुला के इलाज के लिये आयी। उन्होंने मुझे पहले विश्वास (Faith) दिलाया और पूछा, आपको होमिओपॅथी दवा पर विश्वास है या नहीं। मैंने तुरन्त जवाब दिया, मुझे होमिओपॅथी दवा पर विश्वास है। उन्होंने मुझे यह विश्वास दिया, की आपकी फिस्तुला मैं मेरी दवा से ठीक करूँगा, यह कह कर मुझे उन्होंने एक Confidence दिया। लेकिन एक शर्थ उन्हे डाली की अगर वे जैसे आहार (Diet) बतायेंगे वैसेही लेना है। यह मैंने विश्वास से कह कर दिया। और उनकी दवा वे जब तक बंद करने के लिये नहीं कहते तब तक लेती रही। अचरज यह है कि, मेरी फिस्तुला फरवरी 2007 को पुरी ठीक हुई। लेकिन मेरी दवा मै अभी भी ले रही हूँ। डायबिटीस के लिये भी उन्होंने जैसे बोले वैसेही खाना पिना (आहार) ले रही हूँ। डायबिटीस वह भी नॉर्मल होगया। हमें (पेशंट करके) इस दवा पर और डॉ. सुनिल मेहरा पर Full faith रखकर दवा लेनी चाहिए। और हमें डॉक्टरों को अपना (Self Confidence) विश्वास देना चाहिये। तोही हम आरोग्य (Good Health) की 100% मंजिल हासिल कर सकते है।

Scanned by CamScanner

Contd :-

श्री रामदास बुतकर.

मुझे सोरायसिस की बीमारी २००५ से शुरू हुआ। सिर्फ दोनों हाथों के ऊंगलीयों अग्रीम भाग पर दाग शुरू हुआ। पहले मैं अॅलोपॅथी दवा करता था, लेकिन उसे इतना फरक नहीं हुआ, वह ठीक होकर वापस बढ़ रहा था। मैं मेरी पत्नि के साथ ~~वैसे~~ वैसे भी डा. सुनिल मेहराजी के पास अक्सर आता था। तो मैंने भी मेरे लिये सोरायसिस के लिये दवा चालू किया। अब आज दि. २० मई २००७ को मेरी यह बीमारी धीरे-धीरे ५०% तक ठीक हो गयी है। लेकिन मैं यह दवा चालू रखा हूँ। और लेते रहुँगा जब तक यह 100% ठीक न हो तब तक और उसके बाद भी यह दवा मैं चालू रखुँगा। लेते रहुँगा।

---

(१) टेलिफोन से जब जरूरी लगे तब दवा डाक्टरजी से पूछ सकते हैं। Advice ले सकते हैं।

(२) दवा स्टाक में advance में देके रखते हैं।

(३) आप जब कहीं बाहर गाव जाते है या डाक्टरजी बाहर जाये तब भी अपनी इलाज के लिये कभी तकलीफ नहीं होती।

(५) महीने में एक बार आकर दवा ले सकते हैं।

(५) कोई भी तकलिफ फोन से बोलकर (दवा) इलाज ले सकते हैं क्योंकि, स्टोक में दवा देकर रखने से अपनी Problem ~~Solve~~ Solve हो सकती है लेकिन फोन सलाह लेना जरूरी है।

Dbutkar